

SAS (OB) Entrance Examination—2014

ENGLISH AND HINDI

Paper I

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 150

- Note :—* (1) Attempt English Part (A) in English and Hindi
Part (B) in Hindi.
- (2) Please note that the paper has been set to test
inter-alia candidates ability to write correctly.

Part (A)

ENGLISH

- (a) Read the annexed passage and attempt a précis
not exceeding one third in length. 20

As it happens, that letter was published in
October 1949. It's a useful reminder that people
have been bemoaning the state of our youth
since time immemorial. The sensible conclusion

P.T.O.

is that our youngsters are probably worse than they've ever been. But I'd go further—I think they're better. Teenagers today are brighter, more energetic, more outgoing, more tolerant and more interesting than any previous generation.

The truth is, we hear plenty about youths starting riots or selling themselves to Simon Cowell, but we never hear about the majority. The 426,993 youngsters, for instance, who are active members of the Scout Association in the UK, where I live, or all those British teenagers who give an estimated £100 million a year to charity.

Surely they all want to be foot-ballers or glamour models ? Not a bit of it. When research company Britain Thinks examined teenagers' attitudes earlier last year, they found that the most popular goal (shared by some 70 percent) was to "have a job you love," followed by having a university degree, owning your own home, being free of debt and being in a happy, long-term relationship.

That tallies with another study by the Institute for Economic and Social Research, which found that what made teenagers happiest wasn't a new smartphone or pair of shoes, but "the

simple things in life," such as close friends, going swimming and spending time with their parents. We may think of young people as slaves to fashion, but what they really like is a good gossip.

Indeed, the more you look at today's youngsters, the more impressive they seem. They are, of course, more technologically knowledgeable and adept than any generation before them. But the interesting thing is that they're not merely consumers; they're creators. Think of all those youngsters developing their own websites, gadgets or apps rather than

waiting for a big firm to come up with something, as previous generations might have.

Seventeen-year-old Nick D'Aloisio is an example.

He invented a news-summary app called

Summly and sold it to Yahoo! last year for a

reported £18 million. The company offered him

a job in California, but, true to the form of his

level-headed peer group, he turned it down.

"I'll be staying in London," he explained "I want

to finish my A levels and I couldn't really live

on my own out there."

- (b) Provide appropriate heading and sub-headings.

2. Write a short note not exceeding 200/250 words on any *one* of the below given topics :

(i) Capital punishment—Need to abolish.

(ii) Effects of violence and vulgarity in films.

(iii) Communalism : A threat to India's unity.

(iv) Where there is a will there is a way. 20

3. Draft an official communication from the Director of Public Relations Himachal Pradesh addressed to various subordinate offices in the Department high-lighting the need to project effectively and forcefully the salient features of various welfare schemes initiated for the benefit of weaker section of society. 10

4. Make sentences using the following proverbs/clichés in a manner that makes the meaning abundantly clear.

- (i) It is not work that kills but worry.
- (ii) Hunger is the best sauce.
- (iii) The more you get, the more you want.
- (iv) Tomorrow never comes.
- (v) Cast pearls before swine.

Or

Beard the lion in his den.

10

5. (a) Give the opposite of any *five* of the following :

- (i) Changeable
- (ii) Idiotic

(iii) Jumbo

(iv) Luscious

(v) Mundane

(vi) Pardon

(vii) Savage

(viii) Vivid

(ix) Zenith

(x) Benevolent.

5

(b) Complete the following :

(i) A group of lions is a

(ii) A group of parrots is a

(iii) A group of chickens is a

(iv) A group of mice is a

(v) A group of leopards is a 5

Part (B)

हिंदी खण्ड (ब)

6. निम्नलिखित लेख का सार लिखिए तथा उपयुक्त शीर्षक भी सुझाइए।

25

संसदीय लोकतन्त्र एक व्यापक अभिव्यक्ति है। विधायिका जनशक्ति को प्रतिबिम्बित करती है। सत्ता नियमन एवं हस्तान्तरण की प्रमुख इकाई राजनीतिक दल होते हैं। वर्तमान में बहुदलीय प्रणाली की प्रवृत्ति बढ़ रही है। त्रिशंकु विधायिका अस्तित्व में आ रही है। देश के उभरते हुए राजनीतिक परिवेश में साँझा सरकारों का महत्व बढ़ गया है। साँझा सरकारों में सभी सहयोगी राजनीतिक दलों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है जो कुछ सामान्य सिद्धान्तों या साँझा न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर संगठित हुए हैं। यह उल्लेखनीय है

कि साँझा सरकार में शामिल दल अपना पृथक् दलीय अस्तित्व बनाए रखते हैं और किसी भी समय विचारों और राजनीतिक हितों में विरोधाभास होने के कारण सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज जो राजनीतिक अस्थिरता विद्यमान है उससे देश की जनता में साँझा सरकारों के प्रति निराशा और कुंठा व्याप्त होना स्वाभाविक है।

स्वतन्त्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में निर्मित संविधान के निर्माता यह कल्पना नहीं कर पाए कि देश में आजाद होने के दो दशक बाद एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी जब बड़े दलों का वर्चस्व कम हो जाएगा तथा केन्द्र एवं प्रदेशों में छोटे एवं क्षेत्रीय दल देश की राजनीति को इस प्रकार से प्रभावित करेंगे कि राजनीतिक स्थायित्व एक बड़ी समस्या बन जाएगा। भारत में साँझा सरकार का विचार बहुत पुराना है। जब

गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1935 लागू किया गया तो मोहम्मद अली जिन्ना साँझा सरकार के पक्ष में थे परन्तु कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में बहुमत मिल जाने के कारण उसने अकेले सरकार बनाने का निश्चय किया। सन् 1947 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार भी कांग्रेस, मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा आदि को सम्मिलित कर बनी साँझा सरकार ही थी। प्रधानमंत्री ने स्वेच्छा से ही इस साँझा सरकार का गठन किया था। संविधान लागू होने के पश्चात् सन् 1950 में पेंसू में पहली गैर-काँग्रेस साँझा सरकार बनी। पिछले 6 दशकों में अनेक राज्यों एवं केन्द्र में कई साँझा सरकारें अस्तित्व में आईं परन्तु उनका कार्यकाल बहुत कम समय का रहा है। अभी तक दो प्रकार की साँझा सरकारों का अस्तित्व देखने में आया है। एक तो वे जिनमें विभिन्न राजनीतिक दल

मिलकर एक 'साँझा या न्यूनतम कार्यक्रम' के आधार पर सरकार बनाते हैं तथा सभी दलों को उनकी संख्या के आधार पर मंत्रिपरिषद् में स्थान दिया जाता है। इस प्रकार बनी सरकार में आपसी सूझबूझ का ज्यादा महत्व होता है। सन् 1977 में मोरारजी देसाई की सरकार इसी आधार पर बनी थी। दूसरी तरफ़ की साँझा सरकार में विभिन्न दल मिलकर सरकार बनाते हैं तथा एक या एक से अधिक दल बाहर से समर्थन देते हैं। इसमें स्थायित्व की सम्भावना बहुत कम होती है जैसे सन् 1989 में वी. पी. सिंह की सरकार, सन् 1996 में, एच. डी. देवगौड़ा की सरकार, 1997 में इन्द्र कुमार गुजराल की सरकार और 1998 तथा 1999 में बनी अटल बिहारी वाजपेई की सरकार भी लगभग इसी श्रेणी में आती है क्योंकि बाहरी समर्थन इसमें भी बर्करार है। साँझा सरकारों का कोई ठोस आधार न होने के कारण इन परस्पर विरोधी

विचारधारा वाले राजनीतिक दलों का एक-सूत्री कार्यक्रम काँग्रेस दल को सत्ता से हटाना था।

साँझा सरकारों के असफल होने के निम्न कारण परिलक्षित होते हैं :

- (1) गठबन्धन में शामिल परस्पर विरोधी विचारधाराओं वाले दलों में सैद्धान्तिक मतभेद।
- (2) क्षेत्रीय आकांक्षाओं से युक्त विभिन्न दलों का प्रादुर्भाव।
- (3) क्षेत्रीय दलों द्वारा स्वार्थलोलुपता की राजनीति।
- (4) प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले नेताओं द्वारा अवसरवादी राजनीति।
- (5) दलों के भीतर गुटबाजी, जिसके परिणामस्वरूप केन्द्रीय नेतृत्व के विरुद्ध बढ़ते असन्तोष की स्थिति।

आज संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में साँझा सरकारों के कारण देश में तथा प्रदेशों में बार-बार चुनावों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे देश पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ रहा है। देश का सामाजिक एवं आर्थिक विकास भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सरकार की अस्थिरता के कारण नीति-निर्माण एवं नीति-कार्यान्वयन दोनों ही प्रक्रियाएँ प्रभावित होती हैं।

साँझा सरकार स्थाई हों, उसके लिए वैचारिक समानता एवं साँझा सरकार की नई संस्कृति एवं परिपक्वता का होना आवश्यक है। राजनीतिक दलों को देश की समस्याओं को ध्यान में रखकर एक विचाराधारा से कार्य करना चाहिए। हमारे संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं है कि स्थापित सरकार के गिरने पर चुनाव किए बगैर वैकल्पिक सरकार की व्यवस्था की जाए। मेरे विचार से बार-बार चुनाव न हो, इस

उद्देश्य से राजनीतिक दलों को एकमत होकर संविधान में यह संशोधन करना चाहिए कि सरकार के विरुद्ध प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव के साथ ही बहुमत सांसदों से समर्थित वैकल्पिक सरकार का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया जाए। इसके अभाव में अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति न दी जाए।

आज विश्व के लगभग 60 देशों में साँझा सरकारें चल रही हैं। हमारे देश में भी केरल और पश्चिम बंगाल की साँझा सरकारें सफलतापूर्वक चल रही हैं। इन राज्यों ने सिद्ध कर दिया है कि साँझा सरकारों द्वारा भी राजनीतिक स्थिरता सम्भव है। इन राज्यों में राजनीतिक दल विचाराधाराओं के बावजूद, पारस्परिक रूप से स्वीकार निर्वाचन पूर्व चुनाव घोषणा पत्र जारी करके गठबन्धन के सिद्धान्तों के अनुसार निर्वाचन में

शामिल होते हैं और मतभेदों को भुलाकर सफल शासन का संचालन कर रहे हैं। साँझा सरकारों की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि एक साँझा न्यूनतम कार्यक्रम बनाया जाए जिसमें गठबन्धन में शामिल सभी दलों के बीच नीति संबंधी मुद्दों पर चुनाव पूर्व आम सहमति हो।

7. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए तथा वाक्यों में प्रयोग

कीजिए :

10

(1) क्रुद्ध

(2) ऊल-जलूल

(3) अप्रसन्न

(4) अप्रासांगिक

(5) अधिकारी

(6) दियारा

(7) मलमल

(8) रहमान

(9) मोतबर

(10) बहियार

8. निम्नलिखित विषय पर लगभग 200/250 शब्दों में परिच्छेद लिखिये : 20

(1) चुनाव सुधार—बहुत कुछ करना शेष

या

(2) भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंग्रेजी सीखने का महत्व

या

(3) शिक्षा अधिकार—एक महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार।

9. व्याख्या कीजिये तथा सार भी लिखिये : 10

(1) कहीं रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।

विपति कसीटी जो कसे, तो ही सांचे मीत॥

(2) सब घट मेरा साइयां, सूनी सेज न कोय।

बलहारी वा घट्ट की, जो घट परगट होय ॥

(3) ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।

औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय ॥

10. तुम बहुत तंग आ चुके हो। कई दिनों तक पानी नहीं आता। बिजली का भी यही हाल है। स्थानीय अधिकारी ध्यान नहीं देते। अपने एम. एल. ए. को पत्र लिखकर समाधान की प्रार्थना कीजिए।

10